विषय सूची

सम्पादकीय : संजीव कुमार शर्मा

लेखक परिचय

1. अलका गोयल
   वेदकालीन राजकीय प्रबन्धन **9–20**
2. विजेता सिंह
   विभिन्न सभ्यताओं के आगे राष्ट्र का बौना होता स्वरूप **21–34**
3. विप्लव
   भारतीय लोकतंत्र, धरातल से रसातल की ओर **35–42**
4. विनीता पाठक
   धर्मनिरपेक्षता की संकल्पना : लोकतंत्र के विकास का संवर्द्धक **43–52**
5. शिवानी अग्रवाल
   कौटिल्य की भ्रष्टाचार के प्रति अवधारणा **53–60**
6. सोहनलाल मीना
   भ्रष्टाचार की अग्नि में जलता भारत **61–68**
7. कुमारी श्वेता
   महाभारत काल में गुप्तचर और राजदूत व्यवस्था **69–74**
8. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी
   गाँधी–चिन्तन का तात्विक आधार एवं औचित्य **75–88**
9. सुमनलता गर्ग, दीपक कुमार
   भारत–पाकिस्तान सम्बन्ध ''सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य'' **89–102**
10. सीमा रानी
    सुशासन एवं भारतीय नौकरशाही– एक मूल्यांकन **103–112**
11. राखी सिंह
    बहुसंस्कृतिवाद : वर्तमान मुद्दे एवं परिवाद **113–126**
12. जयकुमार मिश्रा
    वैश्वीकरण का भारतीय संघात्मक व्यवस्था पर प्रभाव **127–140**
13. कमलेश गुप्ता
    भारत में विकेन्द्रीकृत संस्थाओं के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य का विश्लेषण **141–160**
14. अरुणा वत्स, निर्मला सिंह, चार्वी सिंह
    नवसहस्त्राब्दी में भारत–बांग्लादेश सम्बन्ध : चुनौतियों एवं सुझाव **161–182**
15. मनोज कुमार बहरवाल
    अम्बेडकर का राष्ट्रवाद **183–186**
16. कुलवंश पासवान
    भारत में महिलाओं की स्थिति एवं विकास : एक परिदृश्य **187–192**
17. राघवेन्द्र प्रताप सिंह
    न्यायिक आत्मानुशासन और न्यायिक सक्रियता **193–202**
18. राजबीर सिंह दलाल

भारत में एग्जिट पोल और मीडिया की भूमिका **203–212**

19. मयंक मुरारी

नक्सलवाद बनाम सुशासन : विकास की चुनौतियाँ **213–224**

20. अनुराधा प्रसाद, रवि शंकर जमुआर

पर्यावरणीय असंतुलन : सबसे बड़ी चुनौती **225–230**

21. संजय कुमार रजक

अछूतोद्धार सम्बन्धी महात्मा गाँधी और डॉ0 अम्बेडकर के विचार (द्वितीय गोलमेज सम्मेलन के विशेष संदर्भ में) **231–238**

22. डॉ0 नरेन्द्र कुमार, सीमा रानी विकल

युगीन परम्पराओं में राजस्थान (संदर्भ सांस्कृतिक चरण) **239–254**

पुस्तक समीक्षा

23. विप्लव

उत्तर आधुनिकवाद और गाँधी, उपासना पाण्डेय, पृष्ठ 287, मूल्य 525, रावत पब्लिकेशन, जयपुर **255–256**